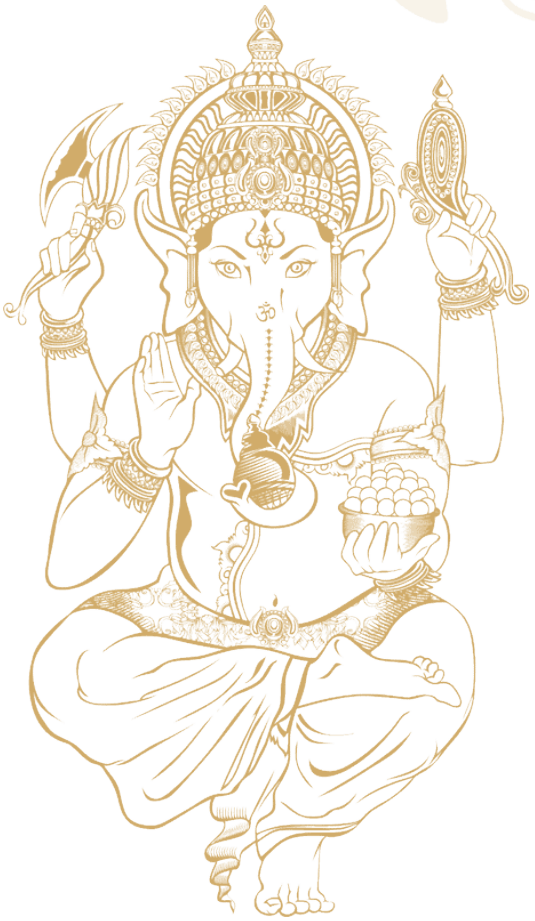

Mr.

12 Mar 2026

11:13 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121557708

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/03/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:13:00 घंटे**
इष्ट	11:35:37 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:51:52 घंटे
वेलान्तर	-00:09:46 घंटे
साम्पातिक काल	22:11:26 घंटे
सूर्योदय	06:34:45 घंटे
सूर्यास्त	18:27:31 घंटे
दिनमान	11:52:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	27:25:47 कुम्भ
लग्न के अंश	23:02:02 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्यतिपात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	23:02:02	354:30:50	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	---
सूर्य			कुंभ	27:25:47	00:59:54	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	06:34:27	11:58:12	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	13:22:22	00:47:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	18:02:06	00:51:01	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	सम राशि
गुरु			मिथु	20:51:52	00:00:13	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	12:58:22	01:14:31	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	08:51:48	00:07:24	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु		अ	कुंभ	14:39:50	00:00:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:39:50	00:00:15	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:48:01	00:01:49	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप		अ	मीन	07:13:57	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:35:39	00:01:25	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	06:34:55	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

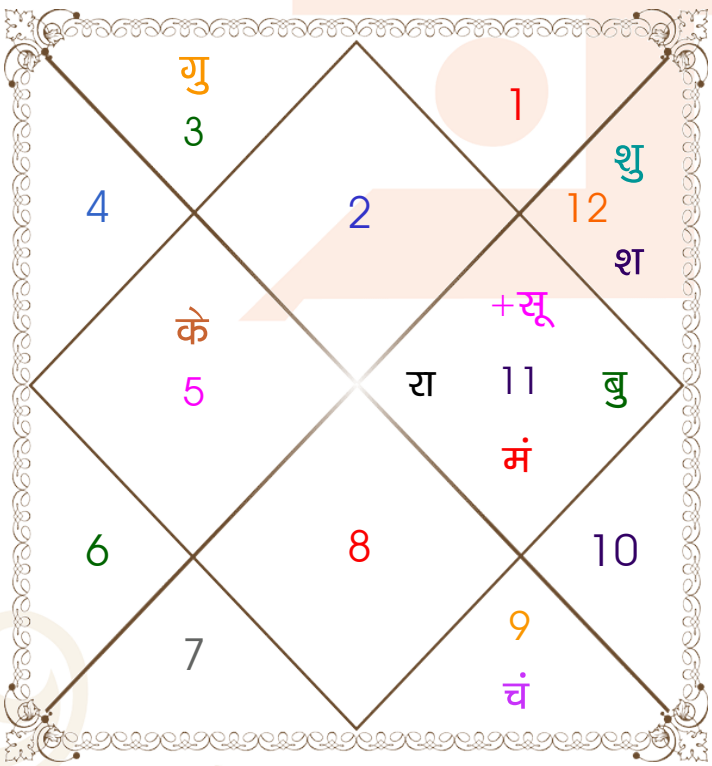

चन्द्र कुंडली

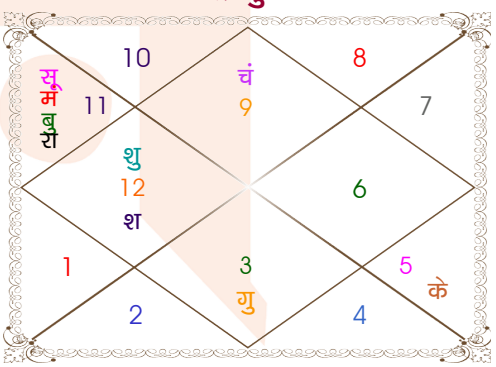

नवमांश कुंडली

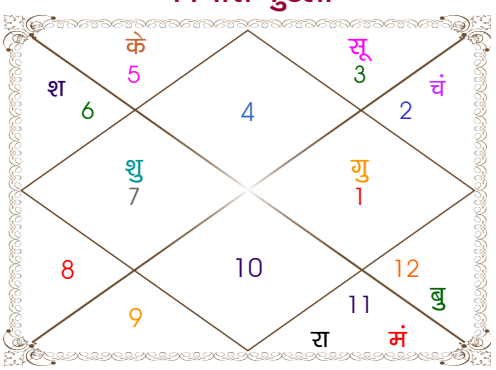

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 6 मास 17 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/03/2026		28/09/2029		28/09/2049		29/09/2055		28/09/2065	
28/09/2029		28/09/2049		29/09/2055		28/09/2065		28/09/2072	
	00/00/0000	शुक्र	28/01/2033	सूर्य	16/01/2050	चंद्र	29/07/2056	मंगल	24/02/2066
	00/00/0000	सूर्य	28/01/2034	चंद्र	17/07/2050	मंगल	27/02/2057	राहु	15/03/2067
	00/00/0000	चंद्र	29/09/2035	मंगल	22/11/2050	राहु	29/08/2058	गुरु	19/02/2068
	00/00/0000	मंगल	28/11/2036	राहु	17/10/2051	गुरु	29/12/2059	शनि	29/03/2069
	12/03/2026	राहु	28/11/2039	गुरु	04/08/2052	शनि	29/07/2061	बुध	27/03/2070
राहु	16/09/2026	गुरु	29/07/2042	शनि	17/07/2053	बुध	29/12/2062	केतु	23/08/2070
गुरु	23/08/2027	शनि	28/09/2045	बुध	23/05/2054	केतु	30/07/2063	शुक्र	23/10/2071
शनि	01/10/2028	बुध	29/07/2048	केतु	28/09/2054	शुक्र	29/03/2065	सूर्य	28/02/2072
बुध	28/09/2029	केतु	28/09/2049	शुक्र	29/09/2055	सूर्य	28/09/2065	चंद्र	28/09/2072

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
28/09/2072		28/09/2090		29/09/2106		29/09/2125		29/09/2142	
28/09/2090		29/09/2106		29/09/2125		29/09/2142		00/00/0000	
राहु	11/06/2075	गुरु	16/11/2092	शनि	02/10/2109	बुध	26/02/2128	केतु	25/02/2143
गुरु	04/11/2077	शनि	30/05/2095	बुध	11/06/2112	केतु	22/02/2129	शुक्र	27/04/2144
शनि	10/09/2080	बुध	04/09/2097	केतु	21/07/2113	शुक्र	24/12/2131	सूर्य	01/09/2144
बुध	30/03/2083	केतु	11/08/2098	शुक्र	20/09/2116	सूर्य	29/10/2132	चंद्र	02/04/2145
केतु	16/04/2084	शुक्र	12/04/2101	सूर्य	02/09/2117	चंद्र	31/03/2134	मंगल	30/08/2145
शुक्र	17/04/2087	सूर्य	29/01/2102	चंद्र	03/04/2119	मंगल	28/03/2135	राहु	13/03/2146
सूर्य	11/03/2088	चंद्र	31/05/2103	मंगल	12/05/2120	राहु	14/10/2137		00/00/0000
चंद्र	10/09/2089	मंगल	06/05/2104	राहु	19/03/2123	गुरु	20/01/2140		00/00/0000
मंगल	28/09/2090	राहु	29/09/2106	गुरु	29/09/2125	शनि	29/09/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 6 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नही लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम रुवरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छि प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।